

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 18 दिसम्बर -II-2021



(पाक्षिक)

माउण्ट आबू

Rs. 8.50

सेवाकेन्द्र में आगमन पर मंत्री चव्हाण ने कहा...

व्यस्त जीवन शैली में भी सकारात्मक रहना सिखाता है 'राजयोग'



देगलूर-महा. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री तथा सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोकराव चव्हाण के ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवाकेन्द्र में आगमन पर ब्र.कु. मेनका बहन तथा ब्र.कु. विद्या बहन द्वारा तिलक तथा गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया और ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक बसवराज पाटिल, नांदेड़ जिला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष वसंतराव चव्हाण, पूर्व विधायक गंगाराम सौदागर, पूर्व सभापति शिवाजीराव देशमुख बलेगांवकर, नगर अध्यक्ष मोगलाजी शेरसेटवार, जीतेश अंतापुरकर, नगरसेवक शैलेश उल्लेवार, नगरसेवक नितेश पाटिल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ब्र.कु. मेनका बहन ने सभी को ब्रह्माकुमारीज की गतिविधियों से अवगत कराया तथा मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। मंत्री अशोकराव चव्हाण ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा दी जाने वाली राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा को व्यस्त जीवन शैली में शांत और सकारात्मक रहने का सरल माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के सामाजिक उपक्रम, व्यसन मुक्ति अभियान समाज कल्याण के लिए उपयुक्त और सराहनीय हैं। मैं स्वयं भी इस कार्य से प्रभावित हूँ।

पत्रकारों के लिए तनाव प्रबंधन संगोष्ठी

आंतरिक जगत के परिवर्तन से तनावमुक्ति

तनावमुक्ति हेतु अध्यात्म व राजयोग मेडिटेशन जरूरी : प्रो. द्विवेदी

नई दिल्ली-मंडावली। ब्रह्माकुमारीज द्वारा पत्रकारों के लिए आयोजित 'तनाव प्रबंधन' विषयक सेमिनार को सम्बोधित करते हुए भारत सरकार के सूचना व प्रसारण मंत्रालय के आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारों को तनाव मुक्ति के लिए अध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन को जीवन में अपनाना जरूरी है। पत्रकार तनाव में रहते हैं क्योंकि कई बार वे जनता को तनाव पूर्ण खबर देने के माध्यम बनते हैं। जो हम दूसरों को दोगे वो ही हमें मिलेगा, यही कुदरत का कानून है। नेशनल पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि मीडिया में जब से ठेका प्रणाली शुरू हुई तो मीडिया की आजादी कम हुई और व्यवसाय व रोजगार में स्थायित्व न होने के कारण तथा अनिश्चितता के परिवेश में पत्रकारों के तनाव में वृद्धि हुई। ब्रह्माकुमारीज की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. पूनम बहन ने कहा कि दिव्यता और पवित्रता की ताकत सबसे बड़ी है। जहाँ यह शक्तियाँ हैं वहाँ से तनाव, काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि विकार दूर हो जाते हैं। तनावमुक्ति होने के

लिए हमें अपने आंतरिक जगत को परिवर्तन करना होगा तभी बाह्य जगत परिवर्तित होगा। दिल्ली पत्रकार संघ के अध्यक्ष उमेश चतुर्वेदी ने कहा कि तनाव से मुक्ति के लिए ब्रह्माकुमारीज द्वारा दी जा रही आध्यात्मिक शिक्षा और राजयोग ध्यान कारगर है। दिल्ली पत्रकार संघ के महासचिव अमलेश राजू ने कहा कि पत्रकारों में तनाव प्रबंधन हेतु

है, साथ ही अपने जीवन और प्रोफेशन को तनाव मुक्त और बेहतर बना सकता है। कार्यक्रम आयोजक एवं ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग की दिल्ली जोनल कोऑर्डिनेटर रजयोगिनी ब्र.कु. सुनीता बहन ने कहा कि पत्रकारों के सशक्तिकरण के ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी जगह-जगह पर करते रहेंगे क्योंकि मीडिया सशक्त होगा तो



अध्यात्म और राजयोग का यह कार्यक्रम सराहनीय है। ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्वतंत्र पत्रकार ब्र.कु. सुशांत भाई ने कहा कि आज जरूरत है सकारात्मक सोच व आशावादी मीडिया कंटेंट की, जिसके द्वारा पत्रकार न केवल जनता व समाज को सुखद और सकारात्मक दशा व दिशा प्रदान कर सकता

देश शक्तिशाली होगा। इस अवसर पर इंडियन जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव निशाना ने अपने माउण्ट आबू के अनुभव साझा करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सिखाई जा रही नैतिक शिक्षा एवं राजयोग ध्यान की सराहना की। वरिष्ठ पत्रकार एवं दिल्ली पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष मनोहर सिंह ने आभार व्यक्त किया।

मन रूपी धरनी पर शुद्ध विचारों के बीज बोयें

विश्व खाद्य दिवस एवं राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर संगोष्ठी

नागपुर-वसंत नगर(महा.)। ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस एवं राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में राजयोगी ब्र.कु. राजू भाई, उपाध्यक्ष, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि मानव को खुशहाल जीवन जीने के लिए सात्विक अन्न का

पड़ता है। राजयोगिनी ब्र.कु. सुनंदा दीदी, नेशनल कोऑर्डिनेटर, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि शुद्ध अन्न से मन शुद्ध, वाणी शुद्ध होती है। और जहाँ शुद्धि है वहाँ शांति और सुख है। शरीर एक मंदिर है और आत्मा उस मंदिर में मूर्ति है। इसलिए शुद्धि से अन्न बनायें और सेवन करें। शरद निंबाळकर,

में एक व्यक्ति कैसर का मरीज है। अगर इस रासायनिक पद्धति को रोकेंगे नहीं तो तीन में से एक व्यक्ति कैसर का मरीज बनेगा। महेन्द्र ठाकुर, मैनेजिंग डायरेक्टर, रुची एग्री फार्म ने कहा कि आज का समय परिवर्तन का समय है। इस बदलते समय के साथ हमें खेती करने की पद्धति भी चेंज करनी होगी। जो सभी के लिए लाभदायक हो। राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी, संचालिका, ब्रह्माकुमारीज नागपुर एवं निर्देशिका, विश्व शांति सरोवर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। ब्र.कु. प्रेमलता दीदी, संचालिका, कामठी ने शुद्ध वातावरण बनाने के विषय में जानकारी देते हुए राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. रेखा दीदी, संचालिका, उमरेड ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा ब्र.कु. मनीषा दीदी, सह संचालिका, ब्रह्माकुमारीज नागपुर एवं ब्र.कु. प्रेम प्रकाश भाई, व्यवस्थापक, ब्रह्माकुमारीज मराठी साहित्य विभाग, महा. ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर अपनी शुभकामनायें दीं। संचालन ब्र.कु. अर्चना दीदी, संचालिका, मौदा ने किया।



उत्पादन और सेवन करना चाहिए। परमपिता परमात्मा जो कृषकों का कृषक है उसकी पवित्र स्मृति में मन रूपी धरनी पर शुद्ध विचारों के बीज बोने चाहिए। किसानों को नशीली चीजें खाकर, अशुद्ध, तामसिक विचारों, द्वेष-घृणा के विचारों के साथ अपने खेत में नहीं जाना चाहिए। इससे अनाज पर बुरा प्रभाव

पूर्व उपकुलपति, पंजाबराव कृषि विद्यापीठ, अकोला ने कहा कि किसान लोभ वश ज्यादा उत्पादन के लिए खेती में रासायनिक खाद डालता है। अनाज पर कीटनाशक दवाइयाँ छिड़कता है। ऐसा अनाज खाने से मनुष्यों को बहुत बीमारियाँ हो रही हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार आज हर पाँच व्यक्ति के समूह

'निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर' में ब्र.कु. वसुधा ने कहा...

दुआओं से ही प्राप्त होती आंतरिक खुशी



कादमा-हरियाणा। निःस्वार्थ सेवा से ही दुआएं मिलती हैं जिससे हमें आंतरिक खुशी प्राप्त होती है जो हमारे जीवन में आने वाले विभिन्न व्यक्ति व सामाजिक समस्याओं के समाधान में मदद करती है। यह उद्गार ब्रह्माकुमारीज के झोझकलां सेवाकेन्द्र द्वारा सेठ किशनलाल वाले मंदिर में चिकित्सकों द्वारा आयोजित आँखों के 'निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर' के उद्घाटन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आँखें प्रभु की अनमोल उपहार हैं। जिस तरह से हम अपनी आँखों की देखभाल करते हैं, ठीक इसी प्रकार सूक्ष्मता से अपने

विचारों की, संकल्पों की जाँच करनी चाहिए क्योंकि व्यक्ति के सकारात्मक विचार ही उसे महान बनाते हैं। इस अवसर पर डॉ. हरिओम निगम ने लोगों की आँखों की जाँच करते हुए उन्हें धूल मिट्टी से बचाने तथा उनकी संधाल करने को कहा। साथ-साथ उन्होंने सभी को अन्य टिप्स देते हुए निःशुल्क दवाइयाँ भी दीं। इस अवसर पर डॉ. हरिओम निगम, पवन कुमार, राजकुमार आदि की टीम का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर झोझकलां सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन ने कहा कि नकारात्मकता से भी अपनी आँखों का बचाव आवश्यक है, तभी हम समाज को दिव्य दृष्टि से देख सकते हैं।